© INTERNATIONAL JOURNAL FOR RESEARCH PUBLICATION & SEMINAR
ISSN: 2278-6848 | Volume: 07 Issue: 03 | April - June 2016
Paper is available at www.jrps.in | Email : info@jrps.in

सरकारी स्कूलों के छात्रों और गैर सरकारी स्कूलों के छात्रों के बीच शैक्षिक स्तर का तुलनात्मक अध्ययन |

© iJRPS International Journal for Research Publication & Seminar

सार : शिक्षा एक व्यक्ति के मन और देश की प्रगति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लोग क्या दुनिया में हो रहा है के बारे में पता किया जाता है और इन मुद्दों को आवश्यक उपाय समझते हैं और ले जा सकते हैं , अगर वे शिक्षित कर रहे हैं। शिक्षा भटक मन tames, अपनी क्षमताओं का एक ही तरीका है पोषण , प्रशिक्षण एक चतुर कुत्ता बनाता है। वेबस्टर (अब यह है कि वास्तव में उपयोगी है , है ना?) को शिक्षित करने या अध्यापन की प्रक्रिया के रूप में परिभाषित करता है शिक्षा 'शिक्षित' आगे परिभाषित किया गया है "के रूप में ज्ञान , कौशल, या के चरित्र को विकसित करने के लिए ..." इस प्रकार , इन परिभाषाओं से, हम यह मान सकते हैं कि शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान , कौशल, या छात्रों के चरित्र को विकसित करना है।

शिक्षा एक व्यक्ति के व्यक्तित्व को आकार देने के लिए कई गुना कार्य किया है जिम्मेदार सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक रहा है। यह सामग्री और मानव विकास के शक्तिशाली स्रोत है। गुणवत्ता मानव प्रयास में और विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में सबसे दुलारा लक्ष्य है। शिक्षा के अधिकार को अच्छी तरह से मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा (UNDHR) के रूप में के अनुच्छेद 26 के तहत संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) द्वारा मान्यता दी गई है:

१. मैं प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा का अधिकार है। शिक्षा मुक्त हो जाएगा, कम से कम प्राथमिक और बुनियादी अवस्थाओं में ...।
२. शिक्षा मानव व्यक्तित्व का पूर्ण विकास और मानव अधिकार और मौलिक स्वतंत्रता के प्रति सम्मान की पुष्टि करने के लिए निर्देशित किया जाएगा।
३. माता-पिता को अपने बच्चों को शिक्षा है कि को दी जाएगी की तरह का चयन करने का अधिकार है।

Note :For Complete paper/article please contact us info@jrps.in

Please don't forget to mention reference number , volume number, issue number, name of the authors and title of the paper